# Hindi Murli Quiz 05-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

**Q.1)** **बाप भी गुप्त है, तुम भी गुप्त सेना हो। अननोन वारियर्स, नानवायोलेन्स यह तुम्हारा ही नाम है । सबसे पहली-पहली हिंसा है यह विकार, जो ही आदि-मध्य- अन्त दु :ख देते हैं । विकार में जो गिरते है तो बुद्धि एकदम चट हो जाती है । बाप कितना समझाते है- कोई भी देहधारी से प्यार नही रखना है, मुहब्बत नही रखनी है । मुहब्बत रखनी है उनसे जो देह रहित विचित्र बाप है।**

A. False
B. True

**Q.2)** **'मीठे बच्चे-तुमने बाप का हाथ पकड़ा है, तुम ---------- में रहते भी बाप को याद करते-करते तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे । "**
**[निम्नलिखित विकल्पों में से मुरली अनुसार सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें ]**

A. वान्यप्रस्थ
B. सन्यास
C. पुरानी दुनिया
D. गृहस्थ व्यवहार,

**Q.3)** **वाक्यों को उनके अर्थ के अनुसार ही मिलाएं ---**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | जितना पुरूषार्थ करेंगे उतना पद पायेगे । | सारा मदार पुरूषार्थ पर है । |
| B | इस ज्ञान से बहुत सुख मिलेगा । | इसलिए अच्छी रीति पढ़कर, पुरूषार्थ करके फुल पास होना चाहिए । |
| C | बाप कहते हैं मैं जो हूँ, जैसा हूँ, मुझे यथार्थ रीति कोई नही जानते । | अगर यथार्थ रीति जानते तो कभी छोडते नहीं । |
| D | आत्मा कभी बूढ़ी नहीं होती । | बाकी पत्थर बुद्धि बनती है । |
| E | अनगिनत बार तुमको पढ़ाता हूँ फिर भी भूल जायेंगे । | सतयुग मे इस ज्ञान की दरकार ही नही रहती । |

**Q.4)** **–आज की मुरली के अनुसार तख्तनशीन बनने के लिए दिये गए सभी पॉइंट्स चयन करें ------**

A. बाप की श्रीमत अनुसार चलो ।
B. .तख्तनशीन बनना है तो मात-पिता को पूरा-पूरा फालो करो ।
C. पुरानी दुनिया से उपराम रहो ।
D. अन्य आत्माओं को भी आप समान बनाओ ।

**Q.5)** **–आज के वरदान और स्लोगन पर आधारित यह मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें-----**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | जो बच्चे स्वमान मे रहते है उन्हे कभी भी अभिमान नही आ सकता । | वे सदा निर्माण होते हैं । |
| B | जितना बडा स्वमान, | उतना ही हाँ-जी में निर्मान । |
| C | स्वमान वाले सभी को मान देने वाले दाता होते हैं, | वे स्वय सम्पन्न होने के कारण सदा रहमदिल होते हैं । |
| D | स्नेह ही सहज याद का साधन है, | इसलिए सदा स्नेही रहना और स्नेही बनाना । |

**Q.6)** **यह प्रश्न आज की धारणा पर आधारित है । सभी सही पॉइंट्स चयन करें -----**

A. माया का थप्पड़ न लगे- यह सम्भाल करनी है ।
B. जो देह रहित विचित्र है, उस बाप से मुहब्बत रखनी है ।
C. जो ज्ञान की बातों के सिवाए दूसरा कुछ भी सुनाए- उसका संग नहीं करना है ।
D. फुल पास होने का पुरूषार्थ करना है । कांटों को फूल बनाने की सेवा करनी है ।
E. किसी देहधारी के नाम-रूप मे बुद्धि नही फँसानी है ।

**Q.7)** **कोई कहते हैं जैसे भोजन जरूरी है वैसे यह विकार भी भोजन है, इनके बिना मर जायेंगे । ऐसी बात तो है नहीं । सन्यासी पवित्र बनते हैं फिर मर जाते हैं क्या! ऐसे बोलने वालों के लिए समझा जाता है कोई बहुत अजामिल जैसे पापी होंगे । जो पीछे आते हैं उन आत्माओ ने निर्विकारी दुनिया तो देखी ही नही है । तो वह आत्माएं ऐसे-ऐसे कहेगी कि इन बिगर हम रह नही सकते । सूर्यवशी जो होगे उनको तो फौरन बुद्धि मे आयेगा - यह तो सत्य बात है । बरोबर स्वर्ग मे विकार का नाम- निशान नही था ।**

A. False

B. True

**Q.8)** **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | हमारा धर्म बहुत सुख देने वाला है । | फिर हम और पुराने धर्म वालों का संग क्यों करे! |
| B | यहाँ भल अमेरिका रशिया आदि में कितने साहूकार हैं, | परन्तु स्वर्ग जैसे सुख हो न सके । |
| C | यहाँ सोने की ईटो जैसे महल तो कोई बना न सके । | सोने के महल होते ही हैं सतयुग में । |
| D | वहाँ तो हर जगह हीरे-जवाहरात लगे हुए होगे, | यहाँ तो हीरों का भी कितना दाम हो गया है। |
| E | बाबा ने समझाया है नई दुनिया मे फिर सब खानियां भरतू हो जायेगी । | अभी यह सब खाली होती रहेंगी । |
| F | सदा उल्लास रहे , | ज्ञान सागर बाप हमे रोज ज्ञान रत्नों , जवाहरातो की थालियां भर- भरकर देते हैं । |

**Q.9)** **तुम जानते हो अभी हम ईश्वरीय फैमिली के बने हैं । बाप ने आकर के यह फैमिली बनाई है । बाबा ने ब्रह्मा को एडाप्ट किया फिर उन द्वारा बच्चो को रचा है । यह सब ब्रह्माकुमार-कुमारिया हैं ना । यह नाता प्रवृत्ति मार्ग का हो जाता है । सन्यासियों का है निवृत्ति मार्ग । उसमे कोई ----------नही कहते । यहाँ तुम ---------- कहते हो । और जो भी सतसंग है वह सब निवृत्ति मार्ग के हैं । यह एक ही बाप है जिसको मात-पिता कह पुकारते हैं ।**
**[निम्नलिखित विकल्पों में से सबसे सटीक एक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]**

A. बहन-भाई

B. मम्मा-बाबा

C. गुरु-शिष्य

D. भाई-भाई

E. बाप-बच्चे

**Q.10)** **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

| | Choice | Match |
|---|---|---|
| A | बच्चों को सदा उल्लास रहे कि, | ज्ञान सागर बाप हमे रोज ज्ञान रत्नों की थालियां भर- भर कर देते है । |
| B | जितना योग में रहेंगे, | उतना बुद्धि कंचन होती जायेगी । |
| C | यह बुद्धि मे है कि हम रूहानी बाप के आगे बैठे है, | वह बाप हमको सृष्टि के आदि- मध्य- अन्त का राज समझाते है । |
| D | पतित मनुष्य पावन मनुष्यो के आगे नमस्ते करते हैं , | है तो वह भी भारत के मनुष्य, परन्तु वह दैवीगुण वाले है । |
| E | हम बाप द्वारा दैवीगुण धारण कर रहे हैं , | सतयुग में यह पुरूषार्थ नहीं करेगे,वहाँ तो है प्रालब्ध । |